ग्राम पंचायत धोताली, विकास खण्ड कुपवी, ज़िला शिमला के लेखाओं का

अंकेक्षण व निरीक्षण प्रतिवेदन

अवधि 1.04.2015 से 31.03.2018

भाग-I

1 (क) प्रस्तावना

ग्यारहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 118 में संशोधन होने के उपरान्त व संयुक्त निदेशक एवं उप सचिव, पंचायती राज विभाग के पत्र संख्या पीसीएच-एचसी-(5) सी(15) एलएडी/2006-12669 दिनांक 07.04.2016 द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के अंकेक्षण का दायित्व निदेशक, स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश को सौंपे जाने के दृष्टिगत ग्राम पंचायत धोताली, विकास खण्ड कुपवी, ज़िला शिमला के अवधि 01/04/2015 से 31/03/2018 तक के लेखाओं का अंकेक्षण कार्य स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग द्वारा किया गया।

अंकेक्षण अवधि के दौरान ग्राम पंचायत में निम्नलिखित प्रधान व सचिव कार्यरत थे;

प्रधान

क्रमांक	प्रधान का नाम	कार्यकाल
1	श्रीमती चिन्ता शर्मा	01.04.2015 से 22.01.2016 तक
2	श्रीमती कमला देवी	23.01.2016 से 31.03.2018 तक

सचिव

क्रमांक	सचिव का नाम	कार्यकाल
1	श्री धरमसिंह	01.04.2015 से 31.03.2016 तक
2	श्री लायकराम	01.04.2016 से 18.07.2016 तक
3	श्री दिलावर सिंह	19.07.2016 से 21.12.2016 तक
4	कुमारी प्रोमिला राणा	22.12.2016 से 31.03.2018 तक

(ख) गम्भीर अनियमितताओं का सार:- ग्राम पंचायत, धोताली के अवधि 01/04/2015 से 31/03/2018 तक के लेखों के अंकेक्षण एवं निरीक्षण के दौरान पाई गई गम्भीर अनियमितताओं का सार निम्न प्रकार से है:-

क्र०सं०	अनियमितता का संक्षिप्त सार	पैरा नं	राशि (₹) लाखों में
1	गृहकर की बकाया राशि वसूली हेतु शेष	6	0.26
2	अनुदान की राशि का उपयोग न करना	7	23.05
3	औपचारिकतायें पूर्ण किये बिना ही सामग्री का क्रय करना	8	1.77
4	क्रय की गई सामग्री की स्टोर/स्टॉक में प्रविष्टि न करना	9	-----

5	मनरेगा की रोकड़ बही का संधारण न करना	11	19.90
6	अस्थाई अग्रिम राशि का समायोजन न करना	12	0.30
7	विक्रेता से उचित टैक्स इनवॉइस/बिल की अपेक्षा कच्ची रसीद पर खरीद/व्यय भुगतान करना	13 (i)	0.71
8	मस्ट्रोल के बिना मजदूरी का अनियमित भुगतान	13 (iii)	0.74
9	कार्यकाल समाप्त हो जाने के उपरान्त भी पूर्व प्रधान द्वारा सत्यापित व पारित बिल का पंचायत कोष से अनियमित भुगतान	13 (iv)	1.64

भाग – दो

2 वर्तमान अंकेक्षण

ग्राम पंचायत धोताली, विकास खण्ड कुपवी, ज़िला शिमला के अवधि 01/04/2015 से 31/03/2018 तक के लेखाओं का प्रथम एवं वर्तमान अंकेक्षण श्री राकेश कुमार चौहान, अनुभाग अधिकारी द्वारा दिनांक 24.05.2018 से 26.05.2018 तक तथा 04.06.18 से 06.06.2018 तक ग्राम पंचायत धोताली के कार्यालय में किया गया। लेखाओं की विस्तृत जांच हेतु आय एवं व्यय के लिए निम्नलिखित मासों का चयन किया गया, जिसके परिणामों को आगामी पैराग्राफों में समाविष्ट किया गया है:-

वर्ष	आय माह	व्यय माह
2015-16	08/2015	03/2016
2016-17	09/2016	03/2017
2017-18	07/2017	05/2017

इस अंकेक्षण एवं निरीक्षण प्रतिवेदन का प्रारूपण पंचायत के नियंत्रण अधिकारी द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचनाओं एवं अभिलेख के आधार पर किया गया है। उक्त पंचायत द्वारा अंकेक्षण को उपलब्ध करवाई गई किसी भी सूचना/अभिलेख के अपूर्ण/गलत व उपलब्ध न होने की स्थिति में अंकेक्षण प्रतिवेदन पर होने वाले किसी भी प्रभाव हेतु स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश उत्तरदायी नहीं होगा तथा अंकेक्षण का दायित्व केवल चयनित माह तक सीमित है ।

3 अंकेक्षण शुल्क

ग्राम पंचायत धोताली, विकास खण्ड कुपवी, ज़िला शिमला के अवधि 01/04/2015 से 31/03/2018 तक के लेखाओं के अंकेक्षण हेतु अंकेक्षण शुल्क ₹6000 आंका गया। उक्त अंकेक्षण शुल्क को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से निदेशक, स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश, शिमला-171009 को प्रेषित करने हेतु अंकेक्षण अधियाचना संख्या:जी.पी.(आडिट)/कुपवी/2018-19-06 दिनांक 06.06.2018 द्वारा सचिव, ग्राम पंचायत धोताली से अनुरोध किया गया है।

4 वित्तीय स्थिति

ग्राम पंचायत धोताली द्वारा प्रस्तुत अभिलेख के अनुसार ग्राम पंचायत के अवधि 01/04/2015 से 31/03/2018 के लेखाओं की वित्तीय स्थिति निम्न प्रकार थी:-

(i) स्व स्रोत:- ग्राम पंचायत धोताली के अवधि 01/4/2015 से 31/3/2018 तक स्व: स्रोतों की वित्तीय स्थिति परिशिष्ट-1 अनुसार निम्न प्रकार से है:-

वित्तीय वर्ष	अथ शेष (₹)	प्राप्ति (₹)	योग (₹)	व्यय (₹)	अन्त शेष (₹)
2015-16	-----	23655.00	23655.00	10292.00	13363.00
2016-17	13363.00	42502.00	55865.00	15790.00	40075.00
2017-18	40075.00	89519.00	129594.00	39259.10	90334.90

नोट:- सचिव, ग्राम पंचायत द्वारा स्व: स्रोत से प्राप्त आय-व्यय को भी सामान्य निधि में ही जमा करवाया गया है तथा स्व: स्रोत का अलग से खाता न होने के कारण प्रारम्भिक शेष ज्ञात नहीं किया जा सका, जिस बारे वस्तु स्थिति स्पष्ट की जाए क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्त बजट लेखें, संकर्म, कराधान व भत्ते) नियम, 2002 के नियम 4 के अनुसार स्व: स्रोत की आय का पृथक से खाता खोलकर खाता-"क" में रखे जाने का प्रावधान है। अतः नियमानुसार स्व: स्रोत से प्राप्त होने वाली आय व व्यय को पृथक से खाता खोलकर उसमें आय को जमा किया जाना व उसी खाते से व्यय किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

(ii) अनुदान:- ग्राम पंचायत धोताली के अवधि 01/4/2015 से 31/3/2018 तक की अनुदानों की वित्तीय स्थिति का संकलित विवरण निम्न प्रकार से है, जिसका विस्तृत विवरण संलग्न {परिशिष्ट-2 व 2A} में भी दिया गया है;

वित्तीय वर्ष	अथ शेष (₹)	प्राप्ति (₹)	योग (₹)	व्यय (₹)	अन्त शेष (₹)
2015-16	332636.00	694992.00	1027628.00	654711.00	372917.00
2016-17	372917.00	3661705.00	4034622.00	2265217.00	1769405.00
2017-18	1769405.00	2966934.00	4736339.00	2431520.10	2304818.90

नोट:- रोकड़ बही में मासांत/वर्षांत प्रारम्भिक व अंतिम शेष नहीं दर्शाए गए हैं अतः बैंक पास बुकों के दिनांक 01/04/15 के प्रारम्भिक शेष को ही वित्तीय स्थिति का प्रारम्भिक शेष (opening balance) लिया गया है।

5 स्रोत से सम्बन्धित विभिन्न करों/शुल्कों की दरों को ग्राम सभा से अनुमोदित न करवाना

सचिव ग्राम पंचायत धोताली के पत्र क्रमांक:GP/Dhotali/-2018-19- 16 दिनांक 06.06.2018 द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना के अनुसार पंचायत द्वारा अंकेक्षण अवधि के दौरान विभिन्न करों व शुल्कों की वसूली निम्नलिखित दरों से की गई दर्शाई गई है:-

नं	आय का साधन	दरें (₹)	विवरण
1.	House Tax	30/-	2015-16
		30/-	2016-17
		40/-	2017-18

2	Land Revenue	As per Govt. rates	3 Revenue villages, but no receipt during audit period
3	Marriage Registration fees	10/- 200/- {BPL 25/-} 400/- {BPL 50/-}	3 Oct,2016 and thereafter Registration within 30 days Registration within 90 days
4	Certificate fee	10/-	-----
5	Liquor cess	As per govt. rates	-----
6	Any other receipt due		---NIL---

अंकेक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त दरों को नियमानुसार ग्राम सभा से अनुमोदित नहीं करवाया गया था। अतः इस सम्बन्ध में अब अपेक्षित कार्यवाही करके अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

6 गृहकर ₹0.26 लाख की बकाया राशि वसूली हेतु शेष

अंकेक्षण अधियाचना संख्या: जी.पी.ऑडिट/कुपवी/धोताली/2018-19-3 दिनांक 24/05/2018 के सन्दर्भ में सचिव, ग्राम पंचायत धोताली ने पत्र क्रमांक:GP/Dhotali/Kupvi/201 8-19-16 दिनांक 06/06/2018 द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना अनुसार दिनांक 31/03/2018 को निम्नतालिकानुसार गृहकर ₹25,900 वसूली योग्य शेष दर्शाई गई है, जिसकी शीघ्र वसूली सुनिश्चित करते हुए अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए:-

वर्ष	कुल परिवार	वार्षिक दर (₹)	कुल कर(₹)	प्राप्त राशि(₹)	शेष राशि(₹)
01.04.15	31.03.15 को गृहकर की वसूली योग्य राशि @ 20/-				8660/-
2015-16	159	30/-	4770/-	-----	13430/-
2016-17	173	30/-	5190/-	-----	18620/-
2017-18	182	40/-	7280/-	-----	25900/-
गृहकर की वसूली योग्य राशि					₹25900/-

सचिव, ग्राम पंचायत द्वारा आय की वसूली से सम्बन्धित “मांग एवं वसूली पंजी” का संधारण नहीं किया जा रहा है जिसके अभाव में गृहकर शुल्क तथा पंचायत को अन्य करों/शुल्कों से प्राप्त होने वाली आय प्राप्त आय तथा वसूली योग्य शेष राशि का सत्यापन अंकेक्षण में सम्भव न हो सका। अतः मांग एवं वसूली पंजी का संधारण सुनिश्चित करते हुए अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

7 अनुदान ₹23.05 लाख का उपयोग न करना

पंचायत सचिव द्वारा **परिशिष्ट-2** के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई सूचना के अनुसार दिनांक 31/03/201 8 तक अनुदानों से प्राप्त ₹23,04,819 उपयोग हेतु शेष थी। ग्राम पंचायत द्वारा विभिन्न विकासात्मक कार्यों हेतु प्राप्त अनुदान की राशि को स्वीकृति पत्र की शर्त अनुसार विहित अवधि के दौरान व्यय न करने के कारण जहाँ धन का अवरोधन हुआ है वहीं इस राशि से क्रियान्वयन होने वाली सरकारी योजनाओं के फलस्वरूप होने वाली लाभों से भी ग्रामीणों को वंचित होना पड़ा। अतः अनुदान की राशि को विहित अवधि के दौरान या सक्षम अधिकारी से प्राप्त समयावधि की बढ़ौतरी की स्वीकृति के भीतर उसी उद्देश्य हेतु

व्यय किया जाना सुनिश्चित किया जाये जिस हेतु इसे स्वीकृत किया गया है अन्यथा राशि का प्रत्यार्पण सम्बंधित संस्था को किया जाये तथा अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

8 औपचारिकताओं को पूर्ण किए बिना ₹1.77 लाख की निर्माण सामग्री का क्रय करना

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्त बजट लेखें, संकर्म, कराधान व भते) नियम 2002 के नियम 67(4) व 67(5) द्वारा स्टॉक/स्टोर सामग्री क्रय करने की औपचारिकताएँ विहित है जिसके अनुसार ₹1000 से अधिक तथा ₹50,000 से कम राशि के क्रय हेतु कोटेशनस (Quotations) आमंत्रित किया जाना तथा ₹50,000 से अधिक राशि के क्रय हेतु निविदा आमंत्रित (Tenders) किया जाना अपेक्षित है, ताकि ग्राम पंचायत को प्रतियोगी मूल्यों का लाभ प्राप्त हो सके। इसी तरह नियम 67 (3) (a) के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा क्रय उप समिति का गठन किया जाना अपेक्षित है जिसमें प्रधान उप प्रधान नामित दो वार्ड सदस्य तथा सचिव को सम्मिलित किया जाएगा। परन्तु ग्राम पंचायत ने बिना उप समिति का गठन किए तथा नियमानुसार कोटेशन/निविदाएं आमंत्रित किए बिना ही निम्न विवरणानुसार निर्माण सामग्री का क्रय किया है, जोकि उक्त नियमों के प्रतिकूल होने के कारण अनियमित है। अतः वर्णित अनियतता को सक्षम प्राधिकारी की कार्योत्तर स्वीकृति प्राप्त करके नियमित करवाया जाए तथा भविष्य में प्रत्येक व्यय/क्रय विहित नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जाये:-

तिथि	बिल सं०	आपूर्तिकर्ता का नाम	क्रय सामग्री का विवरण	राशि (₹)
सामान्य निधि - (माह-03/2017)				
-----	1958	दीवान गुड्स कैरियर	174 बैग रेत	13311/-
-----	1961	-----do-----	259 बैग बजरी	11690/-
सामान्य निधि- (माह-05/2017)				
-----	0004	अमित ट्रासपोर्ट भालू	281 बैग रेत	23947/-
-----	कच्ची रसीद	राम लाल/लच्छी राम	12 चट्ठे पत्थर	12600/-
-----	---do---	-----do-----	174 बैग रेत	19109/-
-----	---do---	-----do-----	----- बजरी	8990/-
14 th FC- (माह-05/2017)				
17.05.17	241	बसंत पाइप चम्बाघाट	240 किलो पाइप	16560/-
12.05.17	252	-----do-----	193 किलो पाइप	13317/-
-----	कच्ची रसीद	राम लाल/लच्छी राम	241 बैग रेत	4166/-
-----	---do---	-----do-----	13 चट्ठे पत्थर	26585/-
09.05.17	1979	अली एजेंसीज नेरवा	145 किलो एंगल्स	6542/-
---do---	---do---	-----do-----	231 किलो पाइप्स	12001/-
---do---	1980	-----do-----	10 CGI शीट्स	8000/-
कुल योग				176818/-

9 क्रय सामग्री की स्टोर/स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि न करना

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्, बजट, लेखों, संकर्म कराधान व भते) नियम 2002 के नियम 69 के अनुसार पंचायत द्वारा क्रय की गई सामग्री को स्टॉक रजिस्टर में दर्ज करना अपेक्षित है, परन्तु अंकेक्षण के दौरान पाया गया कि पंचायत द्वारा विभिन्न विकास कार्यों हेतु उक्त पैरा संख्या 9 में वर्णित क्रय वस्तुओं की प्रविष्टियाँ निर्धारित स्टॉक रजिस्ट्रों में दर्ज नहीं की गई थी जोकि अनियमित है तथा ऐसे में वस्तुओं के दुर्विनियोजन की सम्भावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। अतः वर्णित अनियमितता का औचित्य स्पष्ट किया जाए तथा क्रय की गई प्रत्येक मद की प्रविष्टियाँ खपत विवरण सहित स्टॉक रजिस्टर में दर्ज करके अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए, और भविष्य में स्टोर/स्टॉक रजिस्ट्रों का रख-रखाव विहित नियमानुसार ही किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए।

10 निर्माण कार्यों से सम्बन्धित अनियमितताएँ

(i). निर्माण कार्यों से सम्बन्धित प्राक्कलन/स्वीकृति/अभिलेख इत्यादि अंकेक्षण को प्रस्तुत न करना

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्, बजट, लेखों, संकर्म कराधान व भते) नियम 2002 के नियम 94 व 95 की अनुपालना में ग्राम पंचायत द्वारा {कनिष्ठ अभियन्ता स्तर के समस्त निष्पादित निर्माण कार्यों} से सम्बन्धित प्राक्कलन, प्रशासनिक अनुमोदन, व तकनीकी स्वीकृति, कार्य पूर्ण होने का प्रमाण-पत्र व उपयोगिता प्रमाण-पत्र इत्यादि अभिलेख अंकेक्षण को प्रस्तुत नहीं किए गए जिसके अभाव में अंकेक्षण अवधि के दौरान निष्पादित किये गए निर्माण कार्यों पर खर्च लाखों रुपये के व्यय/भुगतान का पूर्ण अंकेक्षण सम्भव न हो सका। अतः वर्णित अनियमितता का औचित्य स्पष्ट किया जाए तथा अपेक्षित अभिलेख आगामी अंकेक्षण में सत्यापना हेतु प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

(ii). विकास कार्यों से सम्बन्धित पूर्ण सूचना प्रस्तुत न करना

पंचायत सचिव द्वारा अंकेक्षण अधियाचना संख्या:GP(Audit)/Kupvi/Dhotali/2018-19-2 दिनांक 24.05.2018 के प्रत्युत्तर में पत्र क्रमांक GP/Dhotali/Kupvi/2018-19-15 दिनांक 06.06.2018 द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना अनुसार सूची के क्रमांक 12 से 18 पर दर्शाए गए कार्यों हेतु प्राप्त राशि, खर्च की गई राशि, तकनीकी प्राधिकारी द्वारा उनका मूल्यांकन तथा 31.03.2018 को उनकी वास्तविक स्थिति {STATUS} बारे कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई गई, जिसके कारण उक्त कार्यों का पूर्ण अंकेक्षण सम्भव न हो सका। अतः इस सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाए तथा अपेक्षित सूचना आगामी अंकेक्षण के दौरान सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए।

iii). निर्माण कार्य पाइप लाइन जवाल्णु से कटाह में पाइप की खरीद पर ₹0.06 लाख का सम्भावित अधिक व्यय

निर्माण कार्य पाइप लाइन जवाल्णु से कटाह तथा निर्माण कार्य पाइप लाइन, कुरलाड़ी हेतु खर्च राशि का अंकेक्षण करने के दौरान पाया गया कि उक्त कार्य हेतु पाइप की खरीद से सम्बन्धित बिलों में पाइप का Dia/मोटाई तथा Running meter में मात्रा नहीं दर्शाई गई थी जबकि माप पुस्तिका में निम्नतालिकानुसार पाइप की consumption रनिंग मीटर में दर्शाई गई थी जिसके अनुसार निर्माण कार्य पाइप लाइन जवाल्णु से कटाह हेतु खरीदी गई 609 किलोग्राम पाइप से 1125 मीटर पाइपलाइन का निर्माण तथा निर्माण कार्य पाइप लाइन, कुरलाड़ी के कार्य हेतु खरीदी गई 562 किलोग्राम पाइप से 1200 मीटर पाइप लाइन का निर्माण दर्शाया गया था इस प्रकार निम्नविवरणानुसार पाइप लाइन जवाल्णु से कटाह हेतु 82 किलोग्राम पाइप {609kg-(1125rmt./1200rmt.x562kg.)=527kg} की अधिक खरीद/उपयोग दर्शाकर ₹5658 का अधिक व्यय/भुगतान हुआ प्रतीत होता है जिस बारे पूर्ण छानबीन उपरान्त वस्तुस्थिति स्पष्ट की जाए तथा अधिक भुगतान पाए जाने की स्थिति में उचित स्रोत से वसूली सुनिश्चित करते हुए अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए:-

दिनांक	पाइप की मात्रा	दर प्रति किलो	राशि (₹)	विवरण
निर्माण, पाइप लाइन जवाल्णु से कटाह				
02.04.17	369 किलोग्राम	68/- प्रति किलो	25069	1125 Rmt
07.07.17	240 किलोग्राम	69/- प्रति किलो	16560	पाइपलाइन का
कुल	609 किलोग्राम		41629	निर्माण
निर्माण, पाइप लाइन, कुरलाड़ी				
02.04.17	369 किलोग्राम	68/- प्रति किलो	25069	1200 Rmt
12.05.17	193 किलोग्राम	69/- प्रति किलो	13317	पाइपलाइन का
कुल	562 किलोग्राम		38386	निर्माण

(iv). निर्माण कार्य सौंदर्यकरण शिरगुल चबूतरा, धोताली हेतु उपयोग सामग्री की ढुलान दरों में भारी अन्तर पाया जाना:-

(क) उपरोक्त कार्य हेतु निम्नतालिकानुसार निर्माण सामग्री की ढुलान दरों में ₹8. प्रति बैग से ₹75 प्रति बैग का भारी अन्तर पाया गया जिस बारे पूर्ण छानबीन उपरान्त वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए और यदि सामग्री के ढुलान पर अधिक भुगतान हुआ पाया जाता है तो उसकी उचित स्रोत से वसूली सुनिश्चित करके अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए:-

स्थान:- कुपवी से कार्य स्थल सौंदर्यकरण शिरगुल चबूतरा, धोताली

सामग्री	मात्रा	खरीद दर (₹)	ढुलान दर (₹)	ढुलान दर में अन्तर (₹)
सीमेंट	51 बैग	317/-	43/-	8.29

रेत	174 बैग	76.50	109.60	74.89
बजरी	259 बैग	45.13	34.71	-----
	89 बैग	45.13	-----	-----

(ख) इसके अतिरिक्त बजरी के केवल 259 बैग पर ही ढुलान दर्शाया गया था, जबकि 89 बैग बजरी पर कुपवी से कार्य स्थल तक का ढुलान नहीं दर्शाया गया था जिससे 89 बैग { @ 45.31 प्रति बैग } बजरी की खरीद संदिग्ध प्रतीत होती है, जिस बारे पूर्ण छानबीन उपरान्त वस्तु स्थिति स्पष्ट की जाए तथा यदि बजरी की उक्त खरीद वास्तविक नहीं पाई जाती है तो उस पर दर्शाए गए भुगतान की उचित स्रोत से वसूली सुनिश्चित करके अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

11 मनरेगा योजना की रोकड़ बही व व्यय से सम्बन्धित अन्य अभिलेख अंकेक्षण को प्रस्तुत न करना

अंकेक्षण अवधि के दौरान मनरेगा योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों पर खर्च की गई राशि से सम्बन्धित रोकड़ बही व अन्य अभिलेख जैसे सम्बन्धित जॉब कार्ड पञ्जीकरण रजिस्टर, मस्ट्रोल जारी करने का रजिस्टर, सामग्री जारी करने का रजिस्टर, सम्पत्ति रजिस्टर इत्यादि भी अंकेक्षण हेतु प्रस्तुत नहीं किए गए जबकि उक्त अवधि में (Online Financial Statements) के अनुसार ₹19,89,565 का ऑनलाइन भुगतान किया गया था जिसको आधार मानकर ही पंचायत की निम्नविवरणानुसार वित्तीय स्थिति तैयार की गई है। अतः वर्णित अभिलेख अंकेक्षण को प्रस्तुत न करने बारे स्थिति स्पष्ट की जाए तथा समस्त अभिलेख को पूर्णतः तैयार करके आगामी अंकेक्षण के दौरान सत्यापना हेतु प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए:-

वर्ष	मजदूरी (₹)	सामग्री(₹)	कुल भुगतान(₹)
2015-16	19247/-	142014/-	161261/-
2016-17	721016/-	140271/-	861287/-
2017-18	742738/-	224279/-	967017/-
कुल भुगतान	1483001/-	506564/-	1989565/-

12 अस्थाई अग्रिम ₹0.30 लाख का समायोजन न करना:-

अंकेक्षण के दौरान पाया गया कि पंचायत प्रधान श्रीमती कमला देवी को दिनांक 23.03.2016 को पुल हेराड़ खड्ड के निर्माण कार्य को प्रारम्भ करने हेतु ₹30,000 अग्रिम प्रदान किया गया था परन्तु दो वर्षों का समय बीत जाने के उपरान्त भी अग्रिम दिनांक 31.3.2018 तक समायोजन नहीं किया गया था जोकि गम्भीर वित्तीय अनियमितता है जिसका पूर्ण औचित्य स्पष्ट करते हुए या तो उक्त अग्रिम का शीघ्र समायोजन सुनिश्चित किया जाए अन्यथा अग्रिम की राशि को नियमानुसार दण्ड ब्याज सहित सम्बन्धित से वसूली करके अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

13 व्यय से सम्बन्धित अनियमितताएं:-

(i). उचित टैक्स इनवॉइस/बिल की अपेक्षा कच्ची रसीद पर ₹0.71 लाख की खरीद /भुगतान करना

चयनित माह के व्यय का अंकेक्षण करने के दौरान पाया गया कि विक्रेता से उचित टैक्स इनवॉइस/बिल पर सामग्री की खरीद न करके कोरे कागज पर तैयार बिल/रसीद पर भुगतान पारित करके निम्नतालिकानुसार ₹71,450 का व्यय किया गया था जोकि अनियमित है। अतः वर्णित अनियमितता को proper Tax Invoice प्राप्त करके नियमित करवाया जाए तथा भविष्य में प्रत्येक खरीद नियमानुसार उचित बिल प्राप्त करके ही किया जाना सुनिश्चित किया जाए:-

तिथि	बिल नं	आपूर्तिकर्ता का नाम	क्रय सामग्री	राशि (₹)
सामान्य निधि- (माह-05/2017)				
-----	कच्ची रसीद	राम लाल/लच्छी राम	12 चट्ठे पत्थर	12600/-
-----	---do---	-----do-----	174 बैग रेत	19109/-
-----	---do---	-----do-----	----- बजरी	8990/-
14 th FC- (माह-05/2017)				
-----	कच्ची रसीद	राम लाल/लच्छी राम	241 बैग रेत	4166/-
-----	---do---	-----do-----	13 चट्ठे पत्थर	26585/-
कुल अदायगी				71450/-

(ii). TSC/SBM योजना के अन्तर्गत शौचालय निर्माण हेतु भुगतान की गई ₹1.92 लाख से सम्बन्धित अभिलेख अंकेक्षण को प्रस्तुत न करना

विस्तृत अंकेक्षण हेतु चयनित माह 03/2017 में पूर्ण स्वच्छता अभियान (TSC/SBM) के अन्तर्गत शौचालय निर्माण हेतु 16 परिवारों को ₹12000 प्रति परिवार की दर से ₹1,92,000 की प्रोत्साहन राशि का भुगतान दर्शाया गया था किन्तु वर्णित भुगतान से सम्बन्धित स्वीकृति पत्र कार्य पूर्ण होने से सम्बन्धित प्रमाण पत्र तथा अनुदान के उपयोगिता प्रमाण पत्र इत्यादि अंकेक्षण में प्रस्तुत नहीं किये गए, जिनकी अनुपस्थिति में दर्शाया गया भुगतान सही लाभार्थी को हुआ है अथवा नहीं या लाभार्थी द्वारा योजना की शर्तों के अनुसार शौचालय के निर्माण हेतु उक्त राशि का उपयोग कर लिया गया है या नहीं इत्यादि बारे अंकेक्षण में सत्यापना सम्भव न हो सकी। अतः अपेक्षित अभिलेख अंकेक्षण में प्रस्तुत न करने बारे स्थिति स्पष्ट करते हुए इसे आगामी अंकेक्षण के दौरान सत्यापना हेतु प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए।

(iii). जिला पंचायत अधिकारी द्वारा जारी मस्ट्रोल के बिना ही ₹0.74 लाख की मजदूरी का अनियमित भुगतान

निर्माण कार्य खेल मैदान अप्पर धोताली में ₹39,100 {27200+11900} तथा ₹33,320 (कार्य का नाम अंकित नहीं) की मजदूरी का भुगतान जिला पंचायत अधिकारी द्वारा जारी मस्ट्रोल के बिना ही पाया गया क्योंकि उक्त कार्य से सम्बन्धित अंकेक्षण को प्रस्तुत मस्ट्रोल की फोटो स्टेट प्रति के अवलोकन पर पाया गया कि इस पर न तो मस्ट्रोल का नम्बर व जारी करने की तिथि/अवधि ही अंकित थी और न ही प्रधान द्वारा जारी करते समय तथा पूर्ण हो जाने पर सत्यापित व पारित किया गया था जिसके कारण किया गया भुगतान अनियमित व सदिग्ध प्रतीत होता है। अतः इस प्रकरण में पूर्ण छानबीन उपरान्त वस्तु स्थिति स्पष्ट करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जानी सुनिश्चित की जाए तथा अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

(iv). कार्यकाल समाप्त हो जाने के उपरान्त भी पूर्व प्रधान द्वारा बिल सत्यापित व पारित कर पंचायत कोष से ₹1.64 लाख का अनियमित भुगतान

चयनित माह 03/2016 में निम्नतालिकानुसार पंचायत कोष से ₹ 1,64,300 का आहरण पूर्व प्रधान श्रीमती चिन्ता शर्मा द्वारा सत्यापित व पारित पाया गया जबकि उनका कार्यकाल दिनांक 22.01.2016 को समाप्त हो गया था। अतः वर्णित अनियमित भुगतान को सक्षम प्राधिकारी की कार्योत्तर स्वीकृति प्राप्त कर नियमित करवाया जाए तथा अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए:-

दिनांक	चेक नं	विवरण	राशि (₹)	CBP
05.03.16	690707	मजदूरी- मस्ट्रोल	27200/-	141
---do---	---do---	मजदूरी- मस्ट्रोल	11900/-	141
---do---	---do---	M/R चार्ज- देवी राम	100/-	141
23.03.16	690708	अग्रिम प्रधान-कमला देवी	30000/-	142
23.03.16	690709	R/W रेलू राम	20000/-	143
28.03.16	690710	मानदेय- चिन्ता शर्मा	18000/-	144
		मानदेय- रमेश चन्द	13500/-	144
		मजदूरी- मस्टर रोल	33320/-	144
		मजदूरी- मस्ट्रोल-मिस्त्री	5149/-	144
		M/R चार्ज- देवी राम	100/-	144
		औजार तेज-रूप सिंह	31/-	144
		इन्टरनेट चार्जेज	2000/-	144
		यात्रा भत्ता GRS	3000/-	144
		कुल योग	164300	

(v). उपरोक्त तालिका अनुसार पूर्व प्रधान श्रीमती चिंता शर्मा व् उप प्रधान श्री रमेश चन्द को क्रमशः ₹18000 व् ₹13500 के किए गए मानदेय भुगतान की अवधि सम्बन्धित अभिलेख में नहीं दर्शाई गई थी और न ही पंचायत सचिव द्वारा मानदेय पंजिका का संधारण किया गया है जिसके अभाव में उक्त भुगतान का पूर्ण अंकेक्षण सम्भव न हो सका। अतः वर्णित अभिलेख/सूचना आगामी अंकेक्षण के दौरान सत्यापना हेतु प्रस्तुत किया करना सुनिश्चित किया जाए।

(vi). उपरोक्त तालिका में इन्टरनेट चार्जज ₹2,000 तथा यात्रा भत्ता GRS ₹3,000 के दर्शाए गए भुगतान से सम्बन्धित उचित बिल अंकेक्षण के दौरान प्रस्तुत नहीं किये गए, जिनके आभाव में किया गया भुगतान अनियमित व् संदिग्ध प्रतीत होता है। अतः इस प्रकरण में विभागीय स्तर पर पूर्ण छानबीन करके वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए नियमानुसार अपेक्षित कार्यवाही अमल में लाई जाए तथा अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

14 बजट प्राक्कलन तैयार न करना

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्त बजट लेखें, संकर्म, कराधान व भत्ते) नियम 2002 के नियम 37 के अनुसार सचिव द्वारा फार्म-11 में पंचायत के आय व्यय प्राक्कलन तैयार करके ग्राम सभा में पारित करवाना अपेक्षित है, जोकि अंकेक्षण अवधि के दौरान नियमानुसार तैयार व् पारित नहीं किए गए जिसके कारण पंचायत द्वारा सामान्य निधि से किया गया व्यय अनियमित है। अतः बजट प्राक्कलनों को तैयार न करने के कारणों को स्पष्ट करते हुए अंकेक्षण अवधि के दौरान किए गए व्यय को सक्षम प्राधिकारी की कार्योत्तर स्वीकृति प्राप्त करके नियमित किया जाए तथा भविष्य में नियमानुसार बजट प्राक्कलन तैयार/पारित करना सुनिश्चित किया जाए।

15 रसीद बुकों के उपयोग से सम्बन्धित अनियमितताएँ

(क) अंकेक्षण के दौरान पाया गया कि पंचायत सचिव द्वारा रसीदों से सम्बन्धित रसीद बुक स्टॉक रजिस्टर का संधारण नहीं किया गया था जिसके कारण ग्राम पंचायत को जिला पंचायत अधिकारी कार्यालय से प्राप्त, नियमित उपयोग तथा स्टॉक में शेष बची रसीद बुकों का सही-सही पता नहीं लगाया जा सका। अतः उक्त अभिलेख को नियमानुसार तैयार न करने बारे स्थिति स्पष्ट की जाए तथा सम्बन्धित अभिलेख पूर्णतः तैयार करके आगामी अंकेक्षण के दौरान सत्यापना हेतु प्रस्तुत करना भी सुनिश्चित किया जाए।

(ख) उपयोग की गई रसीद बुकों का अंकेक्षण करने के दौरान पाया गया कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्त, बजट, लेखों, संकर्म कराधान व भत्ते) नियम 2002 के नियम 5 (4) व (5) के अनुसार पंचायत सचिव तथा प्रधान द्वारा रसीद बुकों पर गणना से सम्बन्धित प्रमाण पत्र अंकित नहीं किया गया था तथा अधिकतर रसीदें बिना तिथि तथा जारीकर्ता के हस्ताक्षर के पाई गईं, और रसीदों पर की गई काट छांट व रद्द करने पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा सत्यापन भी नहीं किया जा रहा था जोकि गम्भीर अनियमितता है। अतः वर्णित अनियमितता का

संज्ञान लेते हुए अपेक्षित कार्यवाही अमल में लाई जाए तथा अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

16 विहित रजिस्ट्रों का रख रखाव न करना

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्त बजट लेखें, संकर्म, कराधान व भत्ते) नियम 2002 के नियम 29 से 31 में निर्दिष्ट नियमों की अनुपालना करते हुए पंचायत द्वारा निम्नलिखित रजिस्ट्रों व अभिलेखों का रख रखाव नहीं किया जा रहा था जोकि गम्भीर अनियमितता है। अतः नियमानुसार अपेक्षित अभिलेख का रखरखाव किया जाना सुनिश्चित किया जाए:—

1. अनुदानों का विनियोजन रजिस्टर।
2. रोकड़ बही तथा बैंक पास बुक में मिलान सारणी।
3. चल अचल संपत्ति का रजिस्टर।
4. आकस्मिक व्यय रजिस्टर।
5. अग्रिमों का रजिस्टर।
6. रसीद बुकों का स्टॉक रजिस्टर।
7. प्राक्कलन, तकनीकी स्वीकृति तथा प्रशासनिक अनुमोदन रजिस्टर।
8. मांग व प्राप्ति रजिस्टर।
9. मानदेय रजिस्टर।
10. स्टेशनरी रजिस्टर।
11. निर्माण सामग्री स्टोर रजिस्टर।
12. मस्ट्रोल जारी करने कर रजिस्टर।
13. इन्वेंटरी रजिस्टर।

17 भण्डार का प्रत्यक्ष सत्यापन न करना

हि० प्र० पंचायती राज (वित्त बजट लेखें, संकर्म, कराधान व भत्ते) नियम 2002 के नियम, 73 के अंतर्गत पंचायत के भण्डार का प्रत्येक 6 माह बाद प्रत्यक्ष सत्यापन किया जाना अपेक्षित है, जिसकी अनुपालना नहीं की जा रही थी। अतः इस सम्बन्ध में वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए अपेक्षित कार्यवाही अमल में लाकर अनुपालना से अंकेक्षण को अवगत करवाया जाए।

18 विविध अनियमितताएं

(i) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (वित्त बजट लेखें, संकर्म, कराधान व भत्ते) नियम, 2002 के नियम 7 व 29 के अंतर्गत पंचायत द्वारा संधारित की गई रोकड़ बहियां तथा खाताबहियों का संधारण उचित तरीके से नहीं किया जा रहा था। इसमें न तो कोई इति शेष और न ही अंतिम शेष दर्शाया गया था ऐसी स्थिति में बैंक से किए जा रहे लेन देन रोकड़ बही व बैंक खाते में जमा शेष राशि का मिलान पंचायत द्वारा बनाई गई आय-व्यय तालिका व तुलनपत्र की सत्यापना अंकेक्षण में सम्भव नहीं हो पाती। अतः रोकड़ बही एवं खाता बहियों का नियमानुसार संधारण सुनिश्चित किया जाए।

(ii) ग्राम पंचायत निधि से किए जा रहे भुगतानों को पंचायती राज वित्त नियम, 2002 के नियम 49(1) के अनुसार प्रधान व सचिव द्वारा शब्दों एवं अंको विनिर्दिष्ट करते हुए संयुक्तः हस्ताक्षरित नहीं किया जा रहा था जोकि अनियमित था भविष्य में उक्त नियम की अनुपालना करना सुनिश्चित किया जाए।

(iii) पंचायती राज वित्त नियम 2002 के नियम 7 की अनुपालना करते हुए प्रत्येक व्यय बिल/वाउचर पर ग्राम सभा द्वारा पारित व्यय की प्रस्ताव संख्या व दिनांक अंकित नहीं किया जा रहा था, जिस बारे औचित्य स्पष्ट करते हुए भविष्य में उक्त नियम की निरन्तर अनुपालना सुनिश्चित की जाए।

(iv) व्यय/भुगतान से सम्बन्धित वास्तविक प्राप्ति रसीद प्राप्त नहीं की गई जिस बारे स्थिति स्पष्ट की जाए तथा भविष्य में उचित रसीद प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाए।

19 लघु आपत्ति विवरणिका:- यह पृथक से जारी नहीं की गई थी। सभी लघु आपत्तियों का निपटारा स्थल पर ही कर लिया गया था।

20 निष्कर्ष:- लेखों में सुधार की नितान्त आवश्यकता है।

हस्ता / -
(हेमराज भारद्वाज)
उप निदेशक
स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग
हिमाचल प्रदेश, शिमला-171009
फोन नं0 0177-2620881

पृष्ठांकन संख्या:- फिन (एल0ए0) एच (पंच) (15)(i)85 / 2018 खण्ड-1-6235-6238 दिनांक-20.09.2018
शिमला-09

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ/आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

- पंजीकृत
- 1 सचिव, ग्राम पंचायत धोताली, विकास खण्ड कुपवी जिला शिमला (हि0प्र0) को इस आशय के साथ प्रेषित की जाती है कि वह इस अंकेक्षण प्रतिवेदन पर उचित कार्रवाई करके सटिप्पण उतर इस विभाग को एक माह के भीतर भेजना सुनिश्चित करें।
 - 2 निदेशक, पंचायती राज विभाग हि0प्र0, कसुम्पटी, शिमला-171009 को पैरा संख्या 1 (ख) में वर्णित अनियमितताओं पर सम्बन्धित पंचायत सचिव को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देश जारी करने हेतु प्रेषित है।
 - 3 जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला हि0प्र0।
 - 4 खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड कुपवी जिला शिमला हि0प्र0।

हस्ता / -
(हेमराज भारद्वाज)
उप निदेशक
स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग
हिमाचल प्रदेश, शिमला-171009
फोन नं0 0177-2620881